PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ▸ Issue : 7 ▸ Mumbai ▸ Friday, 20 March to 26 March 2026 ▸ Weekly ▸ Pages: 8 ▸ Price : 3 Rs.

एलपीजी पर पैनिक फैलाकर देश को नुकसान पहुंचा रहे कुछ लोग

- पीएम मोदी ने कालाबाजारी करने वालों को दी सख्त चेतावनी
- संकट से निपटने के लिए समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी – मोदी

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एलपीजी की स्थिति को लेकर जानबूझकर पैनिक पैदा करने वाले तत्वों पर तीखा हमला बोला. पीएम मोदी ने साफ किया कि ऐसी अफवाहें न केवल फैलाने वालों का चेहरा बेनकाब कर रही हैं, बल्कि देश के हितों को भी चोट पहुंचा रही हैं. मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और संकट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों से कोई भी देश अछूता नहीं है. उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त किया कि भारत सरकार अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'कुछ लोग एलपीजी को लेकर पैनिक पैदा करने की कोशिश कर रहे

हैं. बिना किसी राजनीतिक टिप्पणी के मैं बस इतना कहूंगा कि वे न केवल जनता के सामने खुद को बेनकाब कर रहे हैं, बल्कि देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं.

वर्तमान वैश्विक संकट का फायदा उठाकर मुनाफाखोरी करने वालों को चेतावनी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की नजर उन लोगों पर है जो जरूरत के सामान की कालाबाजारी कर रहे हैं. उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ऐसे अनैतिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि पश्चिम एशिया के संघर्ष से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी है. राजनीतिक दल और मीडिया अफवाहों को रोकने और सही जानकारी साझा करने में मदद करें. वहीं शहरों से लेकर गांवों तक हर भारतीय को इस समय संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना होगा.

महाराष्ट्र की सड़कों पर दिखीं भव्य शोभायात्राएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का गुड़ी लगातार बढ़ रहा है – मुख्यमंत्री फडणवीस

नागपुर - 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का गुड़ी लगातार बढ़ रहा है,' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुड़ी पड़वा मराठी नववर्ष दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए कामना की। नए साल के अवसर पर नागपुर के लक्ष्मीनगर चौक पर श्री सिद्धिविनायक सेवा ट्रस्ट और नववर्ष अभिनंदन समारोह समिति द्वारा एक जुलूस और राम रक्षा पाठन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध अभिनेत्री साईं ताम्हणकर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। जुलूस तात्या टोपे नगर के श्री गणेश मंदिर से शुरू हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अभिनेत्री साईं ताम्हणकर, ट्रस्ट के अध्यक्ष MLA संदीप जोशी और

(शेष पेज 2 पर...)

महाराष्ट्र में एलपीजी का स्टॉक पर्याप्त : छगन भुजबल

मुंबई - ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के कारण तेल की संभावित कमी की चिंताओं के बीच, महाराष्ट्र के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने सोमवार को विधान परिषद को आश्वासन दिया कि राज्य में लिक्विड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

उन्होंने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। श्री भुजबल ने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे महाराष्ट्र में एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। घरेलू गैस की मांग पूरी होने के बाद, बची हुई आपूर्ति को जिला प्रशासन के माध्यम से वितरित करने को प्राथमिकता दी गयी है। उन्होंने

सदन को यह भी बताया कि केरोसिन वितरण की व्यवस्था के बारे में उच्च न्यायालय को सूचित कर दिया गया है। मंत्री ने कहा कि मूंगफली और सूरजमुखी तेल सहित खाने के तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गयी है, जिसमें मूंगफली तेल की कीमत में छह रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है।

यह बताते हुए कि गैस की आपूर्ति केन्द्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है, श्री भुजबल ने कहा कि एलपीजी और पीएनजी के पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे घबराकर खरीदारी न करें या लंबी कतारें न लगाएं। उन्होंने कालाबाजारी के खिलाफ चेतावनी दी। स्थिति पर नजर रखने के लिए जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों वाली समितियां गठित की गयी हैं।

डेटा सेंटरों में 7 साल में देश के भीतर 800 प्रतिशत बढ़ने वाली है बिजली की मांग

सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली - देश में एआई और डिजिटल सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल के कारण डेटा सेंटरों की बिजली मांग तेजी से बढ़ने का अनुमान है। इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में बताया कि 2031-32 तक डेटा सेंटरों से बिजली की मांग 13.56 गीगावॉट तक पहुंच सकती है।

उच्च सदन में एक सवाल का जवाब देते हुए, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सेवाओं के विकास के साथ-साथ देश का डेटा सेंटर इकोसिस्टम भी लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अभी देश में डेटा सेंटर क्षमता तेजी से बढ़ रही है। यह 2020 में 375 मेगावॉट थी, जो 2025 तक बढ़कर करीब 1,500 मेगावॉट हो गई है। अगले करीब 7 वर्षों में बिजली मांग 800% बढ़ने का अनुमान है।

सरकार के अनुसार, एआई विकास को बढ़ावा देने के लिए 14 सेवा प्रदाताओं और डेटा सेंटरों के जरिए 38,231 जीपीयू उपलब्ध कराए गए हैं। इन्हें स्टार्टअप, शोध संस्थानों और शिक्षण संस्थानों को औसतन 65 रुपए प्रति घंटे की सब्सिडी दर पर दिया जा रहा है। देश के प्रमुख डेटा सेंटर मुंबई, नवी मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, नोएडा और जामनगर में स्थित हैं।

अयोध्या मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने की श्रीराम यंत्र की स्थापना

अयोध्या में होती है रामराज्य की अनुभूति – सीएम योगी

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

अयोध्या - चैत्र नवरात्रि के पहले दिन गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। राष्ट्रपति ने रामलला के चरणों में शीश झुकाकर और आरती उतारकर श्रद्धा निवेदन किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ रामलला की पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने श्रीराम मंदिर परिसर का भ्रमण कर यहां की दीवारों पर उकेरी गईं आकृतियों का भी अवलोकन किया।

राष्ट्रपति ने संतों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीरामयंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। श्रीराम यंत्र दो साल पहले जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज ने अयोध्या भेजा था।

वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। दक्षिण भारत, काशी, अयोध्या के आचार्यों की तरफ से मंदिर में श्रीराम यंत्र के लिए नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुका था। यंत्र प्रतिष्ठापना के समय राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मां अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, सदस्य गोपाल जी आदि मौजूद रहे। आपको बता दें कि इस समारोह में शामिल होने के लिए केरल से मां अमृतानंदमयी अपने 1000 भक्तों के साथ ट्रेन से यहां पहुंचीं। अनुयायी उनको अम्मा के नाम से बुलाते हैं।

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर तबादले

विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के बड़े पैमाने पर स्थानांतरण अथवा उन्हें उनके वर्तमान पदों से हटाए जाने के चुनाव आयोग के फैसले से यही पता चलता है कि सरकारों और नौकरशाही में किस तरह मिलीभगत हो जाती है।

चूंकि भाजपा शासित असम में भी अधिकारियों को हटाया गया है, इसलिए इस आरोप के लिए कोई स्थान नहीं बचता कि चुनाव आयोग एकतरफा कार्रवाई कर रहा है, पर ऐसे आरोप सामने आएंगे ही। बीते दिनों तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने बंगाल में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादलों को लेकर अपना गुस्सा संसद में निकाला। इसकी कहीं कोई आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि इन तबादलों का भारत सरकार से कोई लेना-देना नहीं, लेकिन विपक्ष की चुनाव आयोग पर पक्षपाती होने के आरोप लगाने की आदत हो गई है। वास्तव में इसी आदत के चलते तृणमूल कांग्रेस की अगुआई में विपक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की पहल की गई है।

संकीर्ण राजनीति प्रेरित इस पहल से यह सच्चाई बदलने वाली नहीं है कि बंगाल उन राज्यों में अग्रणी है, जहां अनेक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता के तौर पर काम करते दिखते रहे हैं। इसके कई उदाहरण भी सामने आ चुके हैं। वास्तव में इसीलिए चुनाव आयोग को वहां के मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी के साथ दर्जनों पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी हटाने पड़े हैं। लोकसभा चुनाव के समय भी बंगाल में कई अधिकारियों को हटाया गया था। इनमें बंगाल के तत्कालीन डीजीपी भी थे। चुनाव बाद ममता बनर्जी ने उन्हें फिर से पुलिस प्रमुख बना दिया था। अभी हाल में उन्होंने उन्हें राज्यसभा भेजा। ऐसे मामले नए नहीं हैं। कई बार तो नौकरशाह इस्तीफा देकर या फिर वीआरएस लेकर सत्तारूढ़ दल के प्रत्याशी बनकर चुनाव मैदान में उतर जाते हैं। इस तरह के प्रसंग यही बताते हैं कि नौकरशाही का किस तरह राजनीतिकरण हो गया है। नौकरशाही के राजनीतिकरण के लिए किसी दल या सरकार विशेष को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन इतना तो है ही कुछ राज्यों में यह हद से ज्यादा बढ़ गया है। नौकरशाही का राजनीतिकरण अथवा सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों की ओर से नौकरशाहों के समक्ष अपने दल के सदस्य के तौर पर काम करने की परिस्थितियां पैदा करने से प्रशासनिक तंत्र का अवमूल्यन ही हो रहा है।

यह ठीक नहीं कि जिन अधिकारियों से यह अपेक्षित होता है कि वे नियम-कानूनों के प्रति निष्ठावान रहें, वे जनता की सेवा करने के स्थान पर दल विशेष की सेवा करते दिखते हैं। जब ऐसा होता है तो शासन-प्रशासन की ओर से जनता के हितों की उपेक्षा ही होती है। नौकरशाही के राजनीतिकरण के लिए जितने जिम्मेदार नौकरशाह हैं, उतने ही राजनीतिक दल भी।

महाराष्ट्र से यूपी-बिहार के लिए चलेंगी 700 से ज्यादा अनारक्षित ट्रेनें

गर्मी की छुट्टियों के लिए 1,484 स्पेशल ट्रेनों का एलान, वेटिंग लिस्ट से मिलेगी राहत

मुंबई - गर्मी की छुट्टियों का आगाज और होली के त्योहार के बाद काम पर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने कमर कस ली है। वेटिंग लिस्ट की लंबी कतारों से राहत दिलाने के लिए रेलवे ने देशभर में स्पेशल ट्रेनों के जाल बिछाने और मौजूदा सेवाओं की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने गर्मियों में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं की बढ़ती मांग को देखते हुए तीन जोड़ी प्रमुख स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ा दिए हैं। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के मुताबिक, रेवाड़ी-रींगस और जयपुर-भिवानी जैसे व्यस्त रूटों पर अब जुलाई तक ट्रेनें उपलब्ध रहेंगी।

मध्य रेलवे ने इस साल के ग्रीष्मकालीन सीजन के लिए एक विशाल योजना तैयार की है। कुल 1,484 समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनमें आरक्षित और अनारक्षित दोनों श्रेणियों का संतुलन रखा गया है:

- **749 आरक्षित सेवाएं: मध्यम और लंबी दूरी के यात्रियों के लिए।**
- **735 अनारक्षित सेवाएं: अचानक यात्रा करने वाले आम यात्रियों के लिए।**

होली मनाकर महानगरों की ओर लौटने वाले कामगारों और छात्रों के लिए हाजीपुर जोन ने विशेष फेरे बढ़ाए हैं। मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि बिहार के विभिन्न जिलों से दिल्ली, गुजरात और दक्षिण भारत के लिए विशेष रेल सेवाएं शुरू की गई हैं।

प्रमुख होली स्पेशल ट्रेनें और उनकी नई तिथियां

- **03697 शेखपुरा-आनंद विहार - 16 से 30 मार्च 2026 - सोम, मंगल, शुक्र, शनि।**
- **03309 धनबाद-दिल्ली स्पेशल - 14 से 28 मार्च 2026 - मंगल और शनिवार।**
- **02397 शेखपुरा-आनंद विहार - 22 और 29 मार्च 2026 - रविवार।**

इमरजेंसी कोटा और यात्रियों के लिए सलाह

रेलवे ने वेटिंग लिस्ट के बीच 'इमरजेंसी कोटा' की व्यवस्था को भी चुस्त-दुरुस्त रखा है, ताकि अत्यंत आवश्यक कारणों से यात्रा करने वालों को अंतिम समय पर बर्थ मिल सके। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि किसी भी भ्रम से बचने के लिए यात्रा से पहले NTES या आधिकारिक वेबसाइट पर शेड्यूल और उपलब्धता की पुनः जांच जरूर कर लें।

सरकार ऑप्थैल्मोलॉजिस्ट और आयुर्वेदिक डॉक्टरों के सर्जिकल अधिकारों को लेकर पॉजिटिव है - मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर हसन मुश्रीफ ने कहा कि अगर पोस्टग्रेजुएट आयुर्वेद डॉक्टरों के अधिकारों को चुनौती दी जा रही है, तो सरकार ऑर्डर पर फिर से विचार करने को लेकर पॉजिटिव है।

मुश्रीफ शालाक्य तंत्र (ऑप्थैल्मोलॉजी) विषय में पोस्टग्रेजुएट आयुर्वेद डॉक्टरों के मेडिकल और सर्जिकल अधिकारों पर आयोजित एक मीटिंग में बोल रहे थे। इस मौके पर टछअ दिलीप वाल्से पाटिल, मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च कमिश्नर अनिल भंडारी, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के डायरेक्टर नितिन अंबाडेकर, आयुष डायरेक्टरेट के डायरेक्टर रमन घुंगरालेकर, मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट की जॉइंट सेक्रेटरी सुवर्णा खरात, हेल्थ डिपार्टमेंट की डिप्टी सेक्रेटरी के साथ-साथ संबंधित अधिकारी और डॉक्टर मौजूद थे। इस मुद्दे की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, हेल्थ डिपार्टमेंट और मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के बीच तालमेल से जल्द ही आखिरी फैसला लिया जाएगा।

मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर हसन मुश्रीफ ने कहा। इस मौके पर राज्य में आयुर्वेद फील्ड के एक्सपर्ट्स को उनके जायज अधिकार दिलाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता जताई गई। इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के तहत रजिस्टर्ड और शालाक्य तकनीक में पोस्टग्रेजुएट डिग्री पूरी करने वाले डॉक्टर मौजूदा कानून के मुताबिक अपनी ब्रांच में इलाज और सर्जरी करने के हकदार हैं।

एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त

5,813 जगहों पर छापा, 86 एफआयआर और 11 गिरफ्तार

लखनऊ - उत्तर प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ कालाबाजारी और अवैध बिक्री रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं. मुख्यमंत्री की सीधी निगरानी के कारण 12 से 17 मार्च के बीच मात्र छह दिनों के भीतर प्रदेश भर में 5,813 जगहों पर सघन निरीक्षण और छापेमारी की गई है. इस व्यापक अभियान का उद्देश्य बाजार में ईंधन की कृत्रिम कमी को रोकना और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है.

प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान एलपीजी वितरकों और कालाबाजारी में संलिप्त तत्वों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की गई है. जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर एलपीजी वितरकों के विरुद्ध 12 एफआईआर दर्ज कराई गई हैं, जबकि अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ 74 एफआईआर दर्ज हुई हैं.

महाराष्ट्र की सड़कों पर दिखीं भव्य शोभायात्राएं

(पेज 1 का शेष)

अन्य गणमान्य लोगों के साथ-साथ महिलाओं के ड्रम ग्रुप, रामायण के पात्रों के रूप में सजे कलाकार और बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक इसमें शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह हर हिंदू और मराठी व्यक्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। आज से हम सभी अपने नए संकल्पों की शुरूआत करते हैं और अपने जीवन का सामना करते हैं। यह भारत की गुड़ी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह गुड़ी और ऊंची उठती रहेगी, मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस मौके पर कामना की। इस मौके पर सामूहिक राम रक्षा पाठ का पाठ किया गया और मुख्यमंत्री फडणवीस ने गुड़ी की पूजा की।

इससे पहले, अभिनेत्री साईं ताम्हणकर ने सभी को नए साल की शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष संदीप जोशी ने कार्यक्रम की शुरूआत की।

आओ खेलें

B				5		F		9	G	1	D	4	2		A
				3	6	8	2				4		9		
3	D	2		A	B	1				8	C	E		5	
C		1	5	4	E		G		A		6		B		
5	B				A	7	8		D	F				C	
	7	9						A		5			D		E
6		D	8	9		3		G		4	E		A	F	
	F				5	C			8	3			4	G	
	4		A	2			E			G					F
		6	C	F			4	B		7		2	G		3
2		F	1			A							7		D
8	G	5		1				D			F			4	
G				7				5		9	A	8	C		
		A	6		C	2	5	F		D		B		9	7
4	5	3	D	6	9		A	8			B	G	F	2	
7	1			8		B			3		G	A		E	

प्यूपिल्स टाइम्स

अब महाराष्ट्र में धर्म बदलना होगा मुश्किल

'लव जिहाद' रोकने को सरकार लाई धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महाराष्ट्र में अब लालच, दबाव, धोखाधड़ी या प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करने वालों खैर नहीं। लालच, दबाव, धोखाधड़ी या प्रलोभन देकर कराए गए धर्मांतरण को दंडनीय अपराध माना जाएगा। जबरन धर्म परिवर्तन करने वाले के सामान्य मामलों में 3 से 7 साल तक की सजा और 5 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया है।

यदि यह मामला महिलाओं, नाबालिगों या अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों से जुड़ा होगा, तो सजा सीधे 10 साल तक हो सकती है। नए कानून में यह भी व्यवस्था की गई है कि धर्म परिवर्तन से 60 दिन पहले संबंधित व्यक्ति को जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को लिखित सूचना देनी होगी। इसके बाद प्रशासन पुलिस के माध्यम से मामले की जांच करेगा और संभावित आपत्तियों पर विचार किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इस कानून से धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगेगी और पीड़ितों को न्याय मिलने में मदद मिलेगी।

गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर ने महाराष्ट्र विधानसभा में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 पेश किया। विधेयक में प्रलोभन और जबरदस्ती शब्दों की परिभाषा को काफी व्यापक बनाया गया है। किसी को नौकरी का लालच देना, मुफ्त शिक्षा देने का वादा करना, विवाह का आश्वासन देना या यहां तक कि दैवी प्रकोप का डर दिखाना भी अब कानून के तहत अपराध माना जाएगा।

यूपी, कर्नाटक जैसे राज्यों में पहले से लागू

धर्मांतरण को दंडनीय अपराध मानने वाला कानून उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, हरियाणा, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे अन्य राज्यों में पहले से लागू हैं। महाराष्ट्र की महायूति सरकार का मानना है कि महाराष्ट्र का प्रस्तावित विधेयक अन्य राज्यों की तुलना में अधिक विस्तृत और स्पष्ट प्रावधानों वाला है। महाराष्ट्र में चमत्कारी इलाज या दैवीय उपचार के दावों को भी प्रलोभन की श्रेणी में शामिल किया गया है, जो कई पुराने कानूनों में स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं था।

पीरियड्स लीव की मांग करने पर सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा उसकी इतनी चर्चा क्यों ?

नई दिल्ली - देश भर में सभी कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के पीरियड्स से जुड़ी तकलीफों के लिए अवकाश का प्रावधान बनाने को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार किया है. मुकदमा सामने लाए जाने पर CJI जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर कोई कंपनी अपनी मर्जी से (पीरियड्स) इसके दौरान छुट्टी दे रही है तो बहुत अच्छी बात है.

उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही आप इस को कानून के तौर पर सख्ती से लागू करेंगे तो इसके दूसरे पहलुओं को भी ध्यान रखना पड़ेगा. अब जैसे हो सकता है कि महिलाओं को नौकरी पाने में दिक्कत हो. उन्हें सरकारी नौकरी, न्यायपालिका या बाकी नौकरियों में रखा ही न जाए. उन्होंने कहा कि उनका करियर ही बर्बाद हो जाए. ऐसे मे उन्हें कह दिया जाए कि वो घर पर ही रहें. इसके अलावा CJI ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप पहले ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सामने अपनी बात रख चुके हैं. सरकार को सभी पक्षों से बात करके एक पॉलिसी बनाने पर विचार करना चाहिए. दरअसल सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में कहा गया था कि गर्भावस्था के लिए तो अवकाश मिलता है, पर मासिक धर्म सके लिए नहीं. कुछ राज्यों और कंपनियों ने महीने में 2 दिन छुट्टी का प्रावधान बनाया है.

मार्च की शुरूआत में ही दिखने लगा लू का कहर

पहाड़ से मैदान तक बदला मौसम का मिजाज; बढ़ी चिंता

नई दिल्ली - देश में इस साल गर्मी ने सामान्य समय से पहले ही अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। मार्च की शुरूआत में ही कई राज्यों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि कुछ क्षेत्रों में लू और भीषण गर्मी जैसी स्थिति बनने लगी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह पिछले कई वर्षों में सबसे जल्दी दर्ज हुई गर्मी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार हिमाचल प्रदेश में 6 मार्च 2026 को लू से लेकर भीषण लू जैसी स्थिति दर्ज की गई। यह पिछले पांच वर्षों में सबसे जल्दी दर्ज हुई घटना है। इससे साफ संकेत मिलता है कि देश में गर्मी का पैटर्न तेजी से बदल रहा है और मौसम का मिजाज पहले के मुकाबले अलग होता जा रहा है। आम तौर पर हिमालयी राज्यों में मार्च के शुरूआती दिनों में इतनी तीखी गर्मी नहीं होती। लेकिन इस साल हिमाचल प्रदेश में मार्च के पहले सप्ताह में ही तापमान तेजी से बढ़ गया। कई स्थानों पर लू जैसे हालात बन गए। मौसम विभाग का कहना है कि यह असामान्य स्थिति है और यह संकेत देती है कि पहाड़ी क्षेत्रों में भी गर्मी का असर पहले से ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले वर्षों के आंकड़े देखें तो यह बदलाव साफ नजर आता है। वर्ष 2025 में हिमाचल प्रदेश में पहली लू 6 अप्रैल को दर्ज की गई थी। वहीं 2024 में राज्य में पहली लू 19 मई को दर्ज हुई थी। यानी इस साल के मुकाबले करीब 74 दिन बाद।

बंगाल में दो और तमिलनाडु, असम, केरल में एक चरण में वोटिंग, 4 मई को आएंगे नतीजे

- **राजनैतिक हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी – चुनाव आयुक्त**
- **बारामती, राहुरी उपचुनाव 23 अप्रैल को और नतीजे 4 मई को किए जाएंगे घोषित**

नई दिल्ली - चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। तमिलनाडु में सिंगल फेज में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, बंगाल में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं तीन राज्य केरल, असम और पुडुचेरी में सिंगल फेज यानी 9 अप्रैल वोटिंग होगी। रिजल्ट 4 मई को आएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों- यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता और 824 सीटें हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए। पहला था SIR, जिसमें यह निश्चित किया गया कि कोई भी अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में न रहे। दूसरा- मोबाइल फोन पोलिंग स्टेशन

के बाहर ही रखा जाएगा। वोट देने के बाद उसे वापस ले सकेंगे। इसके साथ ही 5 राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाएगी। 2021 में इन सभी पांच राज्यों के चुनाव का ऐलान 26 फरवरी को किया गया था। पिछली बार बंगाल में 8 चरणों में चुनाव हुए थे। असम में 3 और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी। पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई में खत्म हो रहा है। तारीखों के ऐलान के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 326, चुनाव आयोग को यह दायित्व देता है कि वह पात्र लोगों को सूची में रखे। जो मतदाता 18 साल के हैं, भारत के नागरिक हैं। आचार संहिता लागू होने के बाद अब कोई राज्य नई घोषणाओं के ऐलान नहीं कर सकता। हिंसा को चुनाव आयोग बर्दाश्त नहीं करेगा। अभी तक जो घटनाएं हुईं वे आचार संहिता लागू करने के पहले हुईं।

फेफड़ों के खून के थक्के और बड़े गर्भाशय की गांठ से पिडीत ५१ वर्षीय महिला का मिली नई जिंदगी

नवी मुंबई स्थित मेडिकव्हर अस्पताल में सफलतापूर्वक इलाज

गौरव सिंह/नवी मुंबई

नवी मुंबई - फेफड़ों के खून के थक्के और बड़े गर्भाशय की गांठ से पिडीत ५१ वर्षीय महिला का सफलतापूर्वक इलाज करके उसे नई जिंदगी देने में नवी मुंबई स्थित मेडिकव्हर अस्पताल के डॉक्टरों को सफलता हासिल हुई हैं। अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन डॉ. बादल ताओरी, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अनुरंजिता पल्लवी, इंटरवेंशनल रेडिओलॉजिस्ट डॉ. धार्मिक भुवा और सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. विवेक ने मिलकर इस महिला का इलाज किया हैं।

मरीज को अचानक सांस फूलना, पिंडली में दर्द, बेहोशी और गिरने के बाद इमरजेंसी में लाया गया था। जांच में पता चला कि उनके फेफड़ों की मुख्य नस में बहुत बड़ा खून का थक्का फंसा हुआ है। इसे पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहा जाता है, जो बहुत खतरनाक होता है। इसके साथ ही उनके गर्भाशय में बहुत बड़ी गांठ भी थी, जो छाती तक पहुंच गई थी। समय रहते महिला को आयसीयू में दाखिल करके इलाज शुरू कर दिया गया। तुरंत इलाज मिलने के कारण महिला को नई जिंदगी मिली हैं।

रायगढ जिले के श्रीवर्धन के दिघी गाव में रहनेवाली ओनिजा गीते पिछले लगभग ८ महिने से पिडीत थी। उनका वजन कम हो रहा था और उन्हें बार-बार बहुत ज्यादा ब्लीडिंग हो रही थी। रोज का काम करना मुश्किल हो गया था। डॉक्टर से इलाज के बाद भी उनकी सेहत में सुधार नही हो रहा था। ४ फरवरी २०२६ को उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। घर पर झुकते समय उन्हें चक्कर आया और वे बेहोश होकर गिर गईं। परिवारवालो ने उन्हें श्रीवर्धन के अस्पताल दाखिल किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें मेडिकव्हर अस्पताल भेजा गया। ५ फरवरी २०२६ को उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। उन्हें तेज सांस फूलना, पैरों में ठंडापन, बेहोशी और उल्टी हो रही थी। इससे पहले उन्हें दस्त और पिंडली में दर्द भी था।

उनकी हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत आयसीयू में रखा गया। सीटी स्कैन में पता चला कि फेफड़ों की मुख्य नस में बड़ा खून का थक्का है, जो दोनों फेफड़ों तक फैल गया है। अगर समय पर इलाज न होता तो यह जानलेवा हो सकता था। पेट के स्कैन में यह भी पता चला कि उनके गर्भाशय में बहुत बड़ी गांठ है, जो छाती के नीचे तक पहुंच गई थी।

मेडिकव्हर अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन डॉ. बादल ताओरी ने कहां, जब महिला को अस्पताल लाया गया तक उनकी सांस बहुत तेज चल रही थी। उनकी सेहत काफी चिंताजनक थी। उनके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर ऊपर-नीचे हो रहा था और दिल की धड़कन तेज थी। फेफड़ों में बड़ा खून का थक्का होना बहुत खतरनाक होता है, इससे दिल पर दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक या हार्ट बंद होने का खतरा रहता है। ऐसे में तुरंत इलाज जरूरी होता है। अचानक सांस फूलना, छाती में दर्द, बेहोशी या गिरना यह इसके लक्षण हैं। इसलिए या पैरों में परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह खून के थक्के का संकेत हो सकता है।

७ फरवरी को इंटरवेंशनल रेडिओलॉजिस्ट डॉ. धार्मिक भुवा ने एक खास प्रक्रिया की गई, जिसमें पैर की नस से एक पतली ट्यूब डालकर फेफड़ों तक पहुंचाया गया और खून के थक्के को तोड़कर निकाला गया। साथ ही थक्का घोलने की दवा भी दी गई। १० फरवरी को एक और प्रक्रिया की गई, जिसमें नसों का इलाज किया गया और एक फिल्टर लगाया गया, ताकि आगे कोई थक्का फेफड़ों तक न पहुंचे।

प्यूपिल्स टाइम्स

देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं

एलपीजी उत्पादन में 28% की बढ़ोतरी – हरदीप सिंह पुरी

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली - मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुई एक ऐसा शहर है जहाँ आधुनिक काँच की गगनचुंबी इमारतें ज्वालामुखीय चट्टानों और औपनिवेशिक इतिहास से टकराती हुई दिखाई देती हैं. आसपास के विशिष्ट समुद्री तट, देर रात तक खुले रहने वाले कॉकटेल बार, कैसीनो और शानदार भोजनालय इसे ऐसा स्थान बनाते हैं जहाँ जेम्स बॉन्ड जैसी फिल्मों की शूटिंग की जाती है.

लेकिन यह शहर एक और वजह से ज्यादा प्रसिद्ध है. यह गुप्त व्यापार, गोपनीय बैठकों और कानून कंपनियों का एक रणनीतिक केंद्र माना जाता है, जिसने मॉरीशस को एक सक्रिय कर स्वर्ग के रूप में पहचान दिलाई है. साल 2007 के आसपास पोर्ट लुई में पंजीकृत कुछ अजीब कंपनियाँ भारत की सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय संस्थाओं में से एक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से जुड़े दस्तावेजों में दिखाई देने लगीं. उनके नाम लगभग कुछ भी प्रकट नहीं करते थे. महागोनी लिमिटेड. क्राउन कैपिटल लिमिटेड.

डीवीआई फंड (मॉरीशस). एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस). ये प्रसिद्ध वैश्विक निवेशक नहीं थे जिनके प्रमुख संस्थापक या सार्वजनिक अधिकारी दिखाई देते हों. इनका कोई स्पष्ट व्यापारिक संचालन भी नहीं था. इनमें से अधिकांश कंपनियाँ केवल कागजों पर मौजूद थीं, मॉरीशस में पंजीकृत, फंड सेवा कंपनियों द्वारा संचालित और नाममात्र निदेशकों की निगरानी में, जो अक्सर एक साथ दर्जनों कंपनियों में पद संभालते थे. सामान्य परिस्थितियों में ऐसी संस्थाएँ नियामकीय दस्तावेजों में बिना ध्यान आकर्षित किए गुजर जाती हैं. वैश्विक वित्त की दुनिया में वे सामान्य हैं गुमनाम निवेश साधन जो कर दक्षता और पूंजी की आवाजाही के लिए बनाए जाते हैं. लेकिन ये कंपनियाँ कुछ असामान्य कर रही थीं. वे चुपचाप भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के हिस्से खरीद रही थीं. कोई नया उद्यम नहीं. कोई संघर्ष कर रही कंपनी नहीं. उनका पैसा धूमधाम के साथ नहीं आया. न कोई प्रेस विज्ञप्ति. न उद्घाटन समारोह. न वित्त मंत्रियों की मुस्कुराते हुए हाथ मिलाते हुए तस्वीरें.

यूएई ने भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट करने पर 19 भारतीयों सहित 35 लोगों की गिरफ्तारी का आदेश

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली - संयुक्त अरब अमीरात ने क्षेत्रीय तनाव के बीच सोशल मीडिया पर भ्रामक और मनगढ़ंत वीडियो क्लिप शेयर करने के आरोप में 19 भारतीय नागरिकों समेत 35 लोगों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं. देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'अमीरात समाचार एजेंसी' (डब्ल्यूएएम) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आरोपियों को त्वरित सुनवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा.

ताजा सूची में विभिन्न देशों के 25 लोग शामिल हैं, जिनमें 17 भारतीय हैं. यह सूची नामित किए गए 10 लोगों से अलग है, जिनमें दो भारतीय भी शामिल थे और जिनकी गिरफ्तारी का आदेश पहले ही दिया जा चुका है. यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमाद सैफ अल शम्सी द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह कार्रवाई डिजिटल मंच की सख्त निगरानी के बाद की गई है, जिसका उद्देश्य फर्जी जानकारी और कृत्रिम रूप से तैयार सामग्री के प्रसार को रोकना है, जो सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने और सामान्य स्थिरता को कमजोर करने की कोशिश करती है.

मुंबई को स्वच्छ बनाने के लिए 'मुंबई क्लीन लीग' की शुरूआत

अक्षय कुमार ने नागरिकों से किया जुड़ने का आह्वान

मुंबई - मुंबई को साफ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने 'मुंबई क्लीन लीग' प्रतियोगिता की शुरूआत कर दी है। इस अभियान का शुभारंभ बॉलीवुड अभिनेता पद्मश्री अक्षय कुमार की मौजूदगी में किया गया। इस मौके पर अक्षय कुमार ने कहा कि मुंबई हर किसी को अपने अंदर समेटने वाला शहर है, इसलिए इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि केवल प्रशासन के प्रयास काफी नहीं हैं, बल्कि आम लोगों की भागीदारी बेहद जरूरी है। मुंबई क्लीन लीग के तहत शहर के अलग-अलग वर्गों जैसे प्रशासनिक विभाग, हाउसिंग सोसायटी, झोपड़पट्टी क्षेत्र, अस्पताल, स्कूल, रेस्टोरेंट, बाजार, सड़क और पार्क को शामिल किया गया है।

इस प्रतियोगिता में लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक के इनाम रखे गए हैं, जिससे लोगों में प्रतिस्पर्धा के जरिए स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़े। पालिका प्रशासन का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य मुंबई में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाना है। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसमें नागरिक और संस्थाएं ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा ले सकती हैं।

सीएम फडणवीस ने 864 परिवारों को सौंपी नए घरों की चाबियां

मुंबई - मुंबई की ऐतिहासिक नायगांव बीडीडी चॉल के निवासियों के लिए सोमवार का दिन उनके जीवन का 'स्वर्ण क्षण' साबित हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक भव्य समारोह में पुनर्विकसित 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर बीडीडी संकुल' के पहले चरण के तहत 864 पुनर्वास फ्लैटों का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 14 चॉल निवासियों को प्रतीकात्मक रूप से उनके नए घर की चाबियाँ और कब्जा पत्र सौंपे। चार दशकों से लंबित इस पुनर्विकास परियोजना का सपना अब धरातल पर उतरता दिख रहा है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस अवसर पर कहा कि बीडीडी चॉल पुनर्विकास का मुद्दा दशकों से लटका हुआ था। सरकार ने केवल निजी बिल्डरों पर निर्भर रहने के बजाय म्हाडा के माध्यम से इस परियोजना को खुद लागू करने का साहसिक निर्णय लिया। वर्ली के बाद अब नायगांव में फ्लैटों का वितरण राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना की गति और भविष्य के लक्ष्यों पर स्पष्ट रोडमैप पेश किया।

उन्होंने घोषणा की कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना के सभी पात्र निवासियों को उनके घरों की चाबियाँ सौंपना है। फडणवीस ने स्वीकार किया कि मुंबई में जगह की कमी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन उन्होंने निवासियों को आश्वस्त किया कि पुनर्विकसित इमारतों में पार्किंग की समस्या का एक निश्चित और तकनीकी समाधान निकाला जाएगा।

मुंबई पुलिस ने बिहार-बंगाल के चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

मुंबई - पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक इंटर-स्टेट गिरोह का पर्दाफाश किया है. यह कार्रवाई एम.आर.ए. मार्ग पुलिस स्टेशन के अधिकारियों द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई. इस

अभियान के तहत पुलिस की टीम करीब दस दिनों तक बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा के आसपास गुप्त रूप से डटी रही और पूरे मामले की जांच करती रही.

लंबी निगरानी और जांच के बाद पुलिस ने इस गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने उनके पास से लगभग 25 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की है. बरामद सामान में सोना, चांदी, नकदी, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं. पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि इस गिरोह का संबंध घरों में सेंधमारी के कई मामलों से है. अब तक सात चोरी की घटनाओं का खुलासा हो चुका है. ये सभी मामले मुंबई के अलग-अलग इलाकों से जुड़े बताए जा रहे हैं. आरोपी आम तौर पर रात के समय या उस वक्त चोरी करते थे जब घर में कोई मौजूद नहीं होता था.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह गिरोह काफी समय से एक्टिव था. गिरोह के सदस्य पहले इलाके की अच्छी तरह से रेकी करते थे और फिर मौका देखकर घरों में घुस जाते थे. कई बार वे ताला तोड़कर अंदर घुसते थे, तो कभी खिड़की या पीछे के रास्ते से घर में घुस जाते थे. चोरी के बाद वे सामान लेकर तुरंत शहर से बाहर निकल जाते थे.

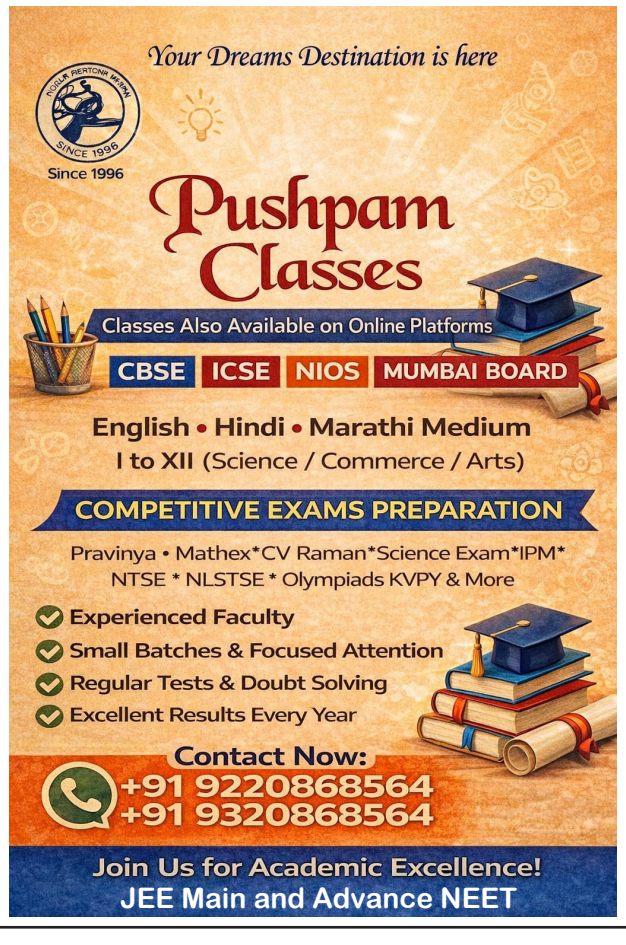

प्यूपिल्स टाइम्स

ई-चालान से जुर्माना भरने के लिए दबाव न डालें

बदतमीज पुलिसवालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी; पुलिस महानिदेशक के निर्देश

मुंबई - महाराष्ट्र के सभी यातायात आयुक्त कार्यालयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उनके अधिकारी वाहन चालकों के साथ विनम्रतापूर्वक व्यवहार करें और उन्हें लंबित ई-चालानों का भुगतान करने के लिए मजबूर न करें।

इस परिपत्र में यातायात पुलिस को निर्देश दिया गया है कि निर्देशों का पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इस परिपत्र में यातायात पुलिस को निर्देश दिया गया है कि निदेर्शों का पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

महाराष्ट्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) (ट्रैफिक) द्वारा 4 मार्च को जारी परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि लंबित जुर्माने का भुगतान न करने के मामलों में केवल न्यायालय ही वाहनों को जब्त कर सकते हैं, और यातायात पुलिस को निर्देश दिया गया है कि निर्देशों का पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

यह परिपत्र परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक की अध्यक्षता में 2 मार्च को हुई बैठक के बाद जारी किया गया था। यह बैठक देशव्यापी परिवहन हड़ताल के साथ हुई थी, जिसमें विभिन्न परिवहन संघों के प्रतिनिधियों ने यातायात पुलिस द्वारा वाहनों को अनावश्यक रूप से रोकने और चालकों से लंबित ई-चालान जुर्माने की जबरन वसूली पर चिंता व्यक्त की थी।

परिवहन संघों ने बैठक में कहा कि यातायात पुलिस वाहनों को लंबे समय तक रोक कर रखती है और जुर्माना न भरने पर रिश्वत मांगती है; वे चालकों के साथ अभद्र व्यवहार भी करते हैं और जबरन वाहन और संबंधित दस्तावेज जब्त कर लेते हैं।

एलपीजी मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के कारण लोकसभा में व्यवधान उत्पन्न हुआ

नई दिल्ली - विपक्षी दलों ने (13 मार्च, 2026) को एलपीजी 'संकट' को लेकर लोकसभा के अंदर और बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण बार-बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही स्थगित कर दी गई, क्योंकि विपक्ष ने खाना पकाने के गैस सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर नारेबाजी की। दोपहर में सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने पर, विपक्षी सदस्य सदन के वेल में चले गए और सरकार तथा पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विरोध प्रदर्शनों के लिए कांग्रेस की आलोचना की और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व जनता की नब्ज समझने से इनकार कर रहा है और चेतावनी दी कि अगर पार्टी इसी तरह का व्यवहार करती रही तो जनता उसे सजा देगी। उनके नेता [श्री गांधी] बदलने को तैयार नहीं हैं। अब सांसद भी उन्हीं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उनके नेता संसद परिसर में थाली और गिलास लेकर तमाशा कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह के तमाशे से वे जनता का ध्यान आकर्षित कर लेंगे। लेकिन लोग उन्हें अच्छी तरह जानते हैं, इसीलिए वे सत्ता में नहीं आ पाए हैं, श्री रिजिजू ने कहा। कांग्रेस के आचरण पर निराशा व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि पार्टी में कोई भी श्री गांधी को 'तर्कसंगत' नहीं समझा सका। उन्होंने आगे कहा, 'अभी भी बदलाव का समय है, अन्यथा देश की जनता आपको कड़ी सजा देगी।' विपक्षी सदस्यों के विरोध जारी रहने पर अध्यक्ष ने कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। लोकसभा के पुनः शुरू होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुदान की पूरक मांग पर हुई पिछली बहस का जवाब दिया, जबकि विपक्षी सदस्य लगातार नारेबाजी करते हुए हमें एलपीजी चाहिए के नारे लगा रहे थे।

कुलदीप के रिसेप्शन में छाया क्रिकेटर्स का जलवा

टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव इन दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं. आईसीसी टी20 वर्ल्डकप 2026 खत्म होने के बाद उन्होंने 14 मार्च को वंशिका चड्ढा के साथ मसूरी में शादी रचाई. शादी के बाद 17 मार्च को लखनऊ में आयोजित ग्रैंड रिसेप्शन में क्रिकेट और राजनीति की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं.

लखनऊ में हुए इस भव्य कार्यक्रम में कई मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने पहुंचकर चार चांद लगा दिए. सबसे ज्यादा चर्चा उस पल की रही जब टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इस भव्य आयोजन में शिरकत की. फैंस के लिए यह किसी खास मौके से कम नहीं था. हालांकि गौतम गंभीर शादी में शामिल नहीं हो पाए थे, लेकिन रिसेप्शन में पहुंचकर उन्होंने इसकी कमी पूरी कर दी. उन्होंने कुलदीप और उनके परिवार से मुलाकात की और काफी देर तक बातचीत भी की.

पूर्व ओपनर शिखर धवन भी अपनी पत्नी सोफी शाइन के साथ रिसेप्शन में शामिल हुए. हाल ही में शादी के बंधन में बंधे इस कपल ने कुलदीप और वंशिका को शुभकामनाएं दीं. दोनों की मौजूदगी ने इस इवेंट को और खास बना दिया.

रवींद्र जडेजा अपनी पत्नी के साथ पहुंचे और नवविवाहित जोड़े को बधाई दी. वहीं ऋषभ पंत भी इस खास मौके पर नजर आए. पंत इन दिनों आईपीएल 2026 की तैयारी के लिए लखनऊ में ही हैं, ऐसे में उन्होंने समय निकालकर इस समारोह में शिरकत की. टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी रिसेप्शन में पहुंचे और कुलदीप को नई पारी के लिए शुभकामनाएं दीं.

इसके अलावा कई अन्य खिलाड़ी और खास मेहमान भी इस आयोजन का हिस्सा बने, कुलदीप यादव का यह रिसेप्शन सिर्फ एक पारिवारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि क्रिकेट सितारों का बड़ा मिलन बन गया।

देश में अशांति फैलाने की कर रहे थे कोशिश

सात विदेशी पकड़े, म्यांमार से जुड़े रहे आतंकी गतिविधियों के तार

नई दिल्ली - राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों से जुड़े सात विदेशियों को गिरफ्तार कर देश को एक बड़े आतंकी हमले से बचाया है। पकड़े गए इन सात विदेशी आरोपियों में छह यूक्रेन के और एक अमेरिका का नागरिक हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने पहले टूरिस्ट वीजा पर भारत में एंट्री ली। फिर अवैध रूप से यह विदेशी गुहावटी और फिर मिजोरम होते हुए बॉर्डर पार कर म्यांमार पहुंच गए।

वहां पर भारत के खिलाफ गतिविधियों में लगे एथनिक आर्म्ड ग्रुप को ड्रोन से अटैक करने के लिए कथित तौर पर ट्रेनिंग दी। सूत्रों ने बताया कि चिंता इस बात की भी है कि पकड़े गए सात विदेशियों में से छह युक्रेनी आरोपी 14 यूक्रेनी नागरिकों के उस ग्रुप का हिस्सा थे। जो भारत टूरिस्ट वीजा पर आए थे। इनमें से छह तो पकड़े गए, बाकी नौ का पता लगाया जा रहा है। यह सब विदेशी आरोपी अपने साथ ड्रोन और अन्य साजो सामान से लैस थे। इस मामले में एनआईए की तरफ से तो कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई, लेकिन सूत्रों ने बताया कि अभी तक की जांच में पता लगा है कि यह आरोपी म्यांमार में उन विद्रोही ग्रुप के संपर्क में थे। जो भारत में अशांति फैलाने की कोशिश में लगे हैं। सूत्रों का कहना है कि पकड़े गए विदेशी आरोपी म्यांमार के कुछ भारतीय विद्रोही ग्रुप को ड्रोन चलाने, ड्रोन अटैक और जैमिंग तकनीक की ट्रेनिंग देने के अलावा अन्य तरह की ट्रेनिंग देने का काम किया। इन पर भारत में सक्रिय प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और गैंग को वित्तीय और अन्य तरह की मदद करने का भी आरोप है।

फंडिंग के लिए पैसा कहां से आया? एनआईए इसका भी पता लगा रही है कि इसके पीछे कौन हैंडलर हैं? क्या, किसी देश का इसके पीछे हाथ है या फिर भारत की धरती से बाहर पनप रहे कुछ आतंकवादी संगठनों का? जिनके हैंडलरों ने यह कोशिश की। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार सात विदेशियों में से एक अमेरिकी मैथ्यू आर वैन डायक को कोलकाता एयरपोर्ट से पकड़ा गया था। बाकी छह यूक्रेनी नागरिकों में तीन को दिल्ली एयरपोर्ट से और तीन को कोलकाता एयरपोर्ट से पकड़ा गया था। इन्हें 13 मार्च को पकड़ा गया था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी एके-47 रायफलों से लैस अज्ञात आतंकवादियों के सीधे संपर्क में थे। एनआईए इनसे पकड़े गए मोबाइल फोन और अन्य गैजेट की जांच कर रही है। इनका डेटा निकाला जा रहा है। साथ ही म्यांमार आने-जाने का इनका सटीक रूट का भी पता लगाया जा रहा है। इस साजिश का मास्टरमाइंड कौन था। इसका पता लगाना भी जरूरी है। साथ ही आने वाले समय में यह लोग भारत में किस तरह का टेरर अटैक या अशांति फैलाना चाह रहे थे।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 2. We get Result guarranty but classes no result guarranty. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
+91 9172282533
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
24 HOURS EMERGENCY
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane,
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

२० मार्च २०२६-२६ मार्च २०२६
उत्सव-जागरूकता-उत्तरदायित्वस्य सप्ताहः

अयं सप्ताहः केवलं धार्मिक-आस्थायाः न, अपितु सामाजिक-राजनीतिक-गतिविधीनां दृष्ट्या अपि अत्यन्तं महत्त्वपूर्णः अस्ति। अस्मिन् काले भारते उत्सवानां, स्मृतिदिवसानां, निर्वाचन-प्रक्रियाणां च समवायः दृश्यते।

राष्ट्रीय-परिदृश्यम्

Chaitra Navratr इत्यस्य पावनपर्वः

पूर्वमेव आरब्धः अस्ति, यः देशे सर्वत्र श्रद्धया आचर्यते।

२३ मार्चे

Shaheed Diwas निमित्तेन

Bhagat Singh,

Rajguru,

Sukhdev इत्येषां बलिदानं राष्ट्रे स्मर्यते।

२६ मार्चे

Ram Navami उत्सवः आचर्यते, यः धर्म-आदर्श-जीवनस्य प्रतीकः अस्ति।

निर्वाचन-परिदृश्यम् (राज्येषु)

अस्मिन् सप्ताहे

West Bengal Assembly Election सम्बन्धिनः प्रचार-प्रसाराः, सभाः, जनसंपर्क-अभियानानि च तीव्रतया प्रचलन्ति। प्रमुखराजनीतिकदलानि जनसमर्थनस्य आकर्षणार्थं व्यापक-कार्यक्रमान् आयोजयन्ति।

अन्येषु राज्येषु अपि स्थानीय-निर्वाचन-प्रक्रियाः, उपनिर्वाचनानि, तथा राजनैतिक-गतिविधयः सक्रियतया दृश्यन्ते। प्रशासनैः मतदान-प्रक्रियायाः निष्पक्षता, शान्ति, सुरक्षा च सुनिश्चितं क्रियते।

अन्तर्राष्ट्रीय-दृष्टिकोणः

२० मार्चे

Nowruz,

International Day of Happiness, World Oral Health Day आचर्यन्ते।

तथैव चन्द्रदर्शनानुसारम्

Eid-ul-Fitr उत्सवः अपि एतस्मिन् काले सम्भाव्यते।

२२ मार्चे

World Water Day जलसंरक्षणस्य वैश्विक-सन्देशं प्रसारयति।

राज्य-सामाजिक-परिदृश्यम्

विभिन्नेषु राज्येषु

Ram Navami उत्सवस्य पूर्वतैयार्यः क्रियन्ते। सुरक्षा-व्यवस्थाः सुदृढाः क्रियन्ते, येन जनजीवनं सुचारुरूपेण प्रवर्तते।

क्रीडा-प्रेरणा

अन्तर्राष्ट्रीय-क्रीडाक्षेत्रे

World Open Snooker Tournamen अन्तिमस्पर्धाः आयोज्यन्ते, यत्र क्रीडायाः उच्चस्तरीय-कौशलं दृश्यते।

समापन-विचारः

अयं सप्ताहः स्पष्टयति यत् जीवनस्य आध्यात्मिकता, लोकतन्त्रस्य सशक्तता, सामाजिक-सामञ्जस्यं, वैश्विक-जागरूकता च–एतेषां समन्वयः एव राष्ट्रस्य प्रगतेः आधारः अस्ति।

अल्पं लिख, गाढं बोधय - श्रेष्ठ-टिप्पणी-निर्माणस्य मूलमन्त्रम्

अध्ययनं कठिनम् इति मन्यमानता अद्यतनानां विद्यार्थिनां महान् भ्रमः अस्ति। वस्तुतः समस्या विषयेषु नास्ति, अपितु अध्ययन-पद्धतौ निहिता अस्ति। यदा छात्राः अवगमनं विना केवलं सूचनाः संगृह्णन्ति, तदा अध्ययनं भाररूपं भवति, परीक्षा च केवलं कण्ठस्थीकरणस्य माध्यमं भवति।

अद्य अधिकांशाः छात्राः द्वाभ्यां प्रमुखाभ्यां समस्याभ्यां पीडिताः सन्ति–जटिलाः पाठ्यपुस्तकाः तथा अस्पष्टा शिक्षण-शैली। एतादृशे सति ते टिप्पणी-निर्माणं कर्तुं प्रयतन्ते, किन्तु सम्यक् मार्गदर्शनस्य अभावात् ते अन्येषां टिप्पणीनां अनुकरणं कुर्वन्ति अथवा अनावश्यक-सामग्रीं संगृह्णन्ति। परिणामतः तेषां टिप्पण्यः गुरुतराः, अव्यवस्थिताः, अनुपयोग्याश्च भवन्ति।

वास्तविकतया, उत्तम-टिप्पण्यः अधिकं लेखनेन न, अपितु युक्त-चयनस्य तथा स्पष्ट-प्रस्तुतेः फलम् भवन्ति। उत्तम-टिप्पण्यः ताः एव भवन्ति याः अल्प-शब्देषु अधिकं बोधं जनयन्ति।

सम्यक् पद्धतिः एषा अस्ति यत् एकमेव विषयं विभिन्न-स्रोताभ्यः पठनीयम्। प्रत्येकस्य लेखकस्य शैली भिन्ना भवति–कुत्रचित् उदाहरणानि श्रेष्ठानि

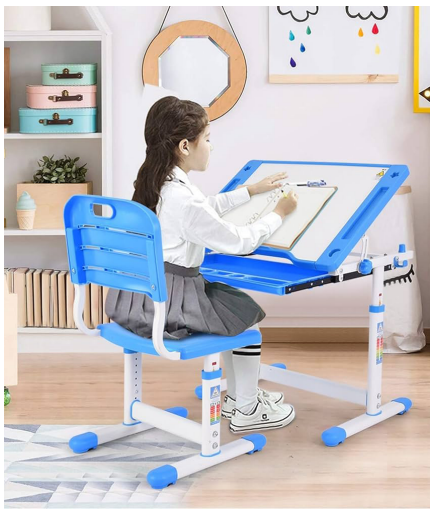

भवन्ति, कुत्रचित् सिद्धान्ताः सरलतया निरूपिताः भवन्ति। एतेषां सर्वेषां अवगम्य छात्रः स्वस्य अनुकूलतया सर्वाधिकं स्पष्टं विवेचनं चयनं कर्तुं शक्नोति। एषा एव प्रक्रिया तस्य बोधं गाढं करोति।

टिप्पणी-निर्माणकाले केवलं महत्त्वपूर्णान् बिन्दून् एव स्वीकरोतु। स्वभाषया लिखतु, यतः पुनः पठने सः एव सहजभावः अनुभवितुं शक्यते। प्रश्न-उत्तर-रूपेण लेखनं विषयं अधिकं स्पष्टं करोति, पुनरावृत्तिं च सरलयति। यत्र आवश्यकं भवति, तत्र सूत्राणि, उदाहरणानि, संक्षेपांश्च योजनीयाः।

आदौ एषा प्रक्रिया क्लिष्टा तथा कालव्ययी इव दृश्यते, किन्तु एषः एकवारः निवेशः अस्ति। एकदा टिप्पण्यः सिद्धाः सन्ति चेत्, परीक्षाकाले ताः एव विश्वसनीयतमाः सहायकाः भवन्ति।

सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णं यत् –यदा भवान् स्वयं लिखति, तदा केवलं शब्दान् न लिखति, अपितु स्वबोधं दृढं करोति। एषः एव बोधः आत्मविश्वासे परिणमति, यः सफलतायाः आधारः भवति। सः एव श्रेष्ठः छात्रः भवति यः अधिकं न, अपितु सम्यक् प्रकारेण पठति, अवगच्छति च।

वैश्विकसुरक्षाया : विषये अमेरिकीमूल्यांकनम्: संतुलित दृष्टिकोणस्य आवश्यकता

अमेरिकादेशस्य राष्ट्रियगुप्तचरनिदेशिका Tulsi Gabbard इत्यया हालिया मूल्याङ्कने रूसदेशः, चीनदेशः, उत्तरकोरिया तथा पाकिस्तानदेशः अमेरिकायाः प्रति प्रमुखाः सामरिक-परमाणुचुनौतयः इति निर्दिष्टाः। विशेषज्ञाणां मतानुसारम् एतत् सामान्यसुरक्षामूल्यांकनम् अस्ति, यत्र विभिन्नदेशानां सैन्यसमर्थ्यानि परिवर्तमानवैश्विकसमीकरणानि च विचार्यन्ते, न तु कस्यचित् एकस्य देशस्य पृथक रूपेण महान् संकटः इति उद्घोषणा कृताऽस्ति। अस्यैव सन्दर्भे Joe Kent इत्यस्य त्यागपत्रं तथा Donald Trump इत्यस्य नीतिषु चर्चाः तीव्रतां गताः, किन्तु एतेषां घटनानां विषये विविधाः अनुमाना अपि प्रचलन्ति। वर्तमानपरिस्थितयः दर्शयन्ति यत् वैश्विकस्तरे शान्तिः, संवादः तथा संतुलिता कूटनीतिः अत्यन्तं आवश्यकाः सन्ति।

भारतस्य कलाकाराः क्रीडकाः इतिहासस्य तेजसा जीविताः

ऑस्कर्च महाप्रतिष्ठितानि पुरस्कारसमारोहाणि यथेष्टं भव्याणि सन्ति, तथापि भारतदेशे अपि कलाकाराः क्रीडकाःच शताब्द्यन्तरं समाजस्य आकर्षणम् अभवन्। प्राचीनकाले भारतदेशे नाट्यं सङ्गीतं च केवलं मनोरञ्जनाय नासन्, किन्तु समाजस्य संस्कृतिस्य च केन्द्रम् अभवन्।

राजानां च सामुदायिकोत्सवानां च मध्ये प्रदर्शनं कुर्वन्तः कलाकाराः विशेषाधिकारं सम्मानं च प्राप्तवन्तः। यात्रायाः स्वतंत्रता, करविमुक्तिः, सैनिकसेवास्य मोक्षः -एतेषाम् सामान्याः अभवन्। नर्तकाः सङ्गीतकाराश्च समग्रदेशात् आगच्छन्: अयोध्या, पाटलिपुत्रम्, काञ्चीपुरम्, शौरापुरम् इत्यादीनि। गुप्तकालीनस्य नाट्यशास्त्र नाट्यशास्त्रे अभिनयं नृत्यं च अत्यधिकसम्मानपूर्वकं लिखितम् अस्ति। क्रीडकानाम् अपि स्थितिः अल्पतरं न आसीत। कुश्ती, दौड्, अश्वारोहीप्रतियोगितासु विजेतृभ्यः राज्ञः मुकुटं भूमिः करविमुक्तयश्च प्रदत्ताः। ते सार्वजनिकसम्मानं, अग्रसीट्, सभा मध्ये वाक्यदत्त्याः अधिकारं च प्राप्नुवन्।

किन्तु दार्शनिकाः शिक्षकाः च सदा कलायाः प्रदर्शनस्य नैतिककर्तव्यम् अभिप्रेतवन्तः। चाणक्यः उक्तवान्, यत कतिपयः कलाकाराः विलासिन्यां अहंकारे च पतिताः स्युः, एतत तेषां नैतिकमानकानि अपि प्रभावितानि कुर्वीत।

तथापि जनता सदा उत्साहितास्ति। उत्सवेषु मेलासु च आगताः जनाः कलाकारक्रीडकानां प्रदर्शनं दृष्ट्वा मोहिताः अभवन्। सायद् ते न जानन्ति यत् ते भारतदेशे दुःखान्त हास्यनाट्यस्य सङ्गीतस्य च क्रीडायाः परम्परायाः साक्षिणः सन्ति - परम्परा या अद्यापि अस्माकं सांस्कृतिकसमारोहेषु महोत्सवेषु जीवितास्ति।

मृगतृष्णात् तथा इन्द्रियसंयमस्य उपायाः

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

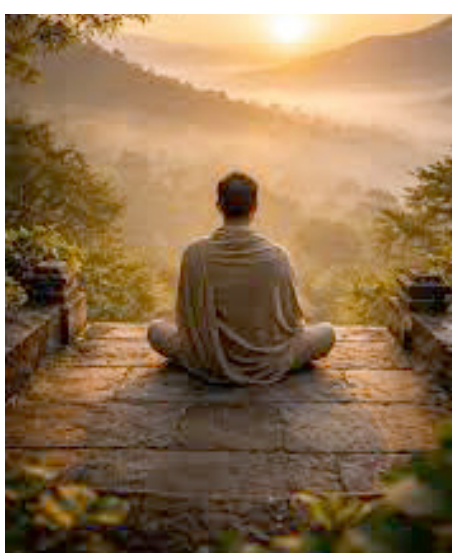

संसारे मानवस्य प्रमुखं क्लेशं तस्य इन्द्रियाणां बहिर्मुखता। यदा इन्द्रयः बहिर्गमनाय प्रवृत्ताः भवन्ति, तदा मनः भ्रमेण, मोहेन च मृगतृष्णायाम् अवगच्छति। मृगतृष्णा केवलं बाह्यवस्तूनां प्रापणं वा ह्रासं न, किं तु मनसः अस्थिरता, इच्छानां अनियंत्रित प्रवृत्तिः च अस्ति।

यथा पतङ्गविमोचनकर्त्ता डोरं स्वहस्ते धारयति, पतङ्गं जालबद्धं दृष्ट्वा तत्क्षणात् समीपे आनयति, तथैव इन्द्रियाणां डोरं स्वहस्ते धारयितुं आवश्यकम्। एषा कला एव मानवे संसारे अपि मानसिकशान्तिं, स्थिरतां च प्रदतुम् शक्नोति।

कर्मकाले जीवनकर्मसु सहभागं कुर्वन्तः अन्तःज्ञानचक्षु निरन्तरं खुला धारयेत्। केवलं बाह्यकर्मसु मोहितः भवति चेत्, तदा नश्वरतां, अस्थिरतां च न बोधयितुं शक्नोति। ज्ञानयुक्तदृष्टिः एव मनसः भ्रमं, मोहं च निवारयति।

सुखशान्तिः केवलं बाह्यवस्तुषु न, किं तु विचारसङ्गहेण, आचरणपरिवर्तनैः च सुलभः। यदि मनः विकारविहीनः भवति, इन्द्रियसंयमेन च, तदा संसारोऽपि आत्मिकशान्तिं, प्रसन्नतां च दातुम् समर्थः।

यः व्यक्ति इन्द्रियाणां नियंत्रणं गृह्णाति, सः संसारे अपि साधु रूपेण स्थितः। सः स्पष्टदृष्टि, उत्तमप्रेरणा, प्रसन्नचित्तं च धारयति। मानसिकस्वास्थ्यं, स्थिरता, आत्मसंतोषः च केवलं तेन लभ्यते यः स्वज्ञानं, आंतरिकशक्तिं च जाग्रयति।

संसारे इन्द्रियसंयमेन, ज्ञानयुक्तकर्मणि च स्थिरता, प्रसन्नता, आत्मिकानन्दः च लभ्यते। केवलं बाह्यवस्तूनां परिवर्तनं न, विचारस्य च आचरणस्य परिवर्तनं आवश्यकम्।

यदा इन्द्रियाणां नियंत्रणं कुर्वीत, मनः स्थिरः भवेत्, विकारविहीनः च, तदा प्रत्येकः जीवनानुभवः शिक्षायाः, प्रगत्याः, आनन्दस्य च अवसरः भविष्यति। एवं मृगतृष्णात् विमुक्तिः, इन्द्रियसंयमः, ज्ञानयुक्तकर्म एव मानवजीवनस्य सर्वोत्तमः मार्गः। जीवनस्य स्थिरता, प्रसन्नता, वास्तविकानन्दः च एतेनैव साध्यम्।

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

Rising pollution sparks surge in kids' respiratory infections

Dr. Mishra Ashishkumar Prabhunath
BAMS (Mumbai)

MUMBAI - Rising pollution levels have led to a sharp increase in upper respiratory tract infections (URTI) among children, according to data from the past two years at Cama and Albless Hospital. Doctors report a significant surge in cases of common cold, sinusitis, pharyngitis, and laryngitis, attributing the trend largely to worsening air quality.

URTI is a common illness in children that affects the nose, throat, and upper airways, and is usually caused by viruses. It includes conditions such as the common cold, sinus infections, and throat infections. Typical symptoms include a runny nose, cough, sore throat, fever, and sneezing. The hospital's outpatient department and maternal and child health centre recorded 102 URTI cases in 2025, compared to just 2 cases in 2024.

"We have seen 100 more cases of URTI among children up to 10 years," said Dr Tushar Palve, medical superintendent of the hospital. While doctors identify pollution as a major contributing factor, they also point to poor hygiene, seasonal changes, exposure to cold weather, and overcrowding as additional reasons for the rise in infections. Doctors noted that although URTI cases are typically higher during the monsoon season, in 2025 patients were reported almost every month.

"Seasonal changes do contribute to URTI, but this year we have seen cases throughout the year," said another doctor at the hospital. Meanwhile, cases of lower respiratory tract infections (LRTI) have also increased. The number of LRTI cases rose from 19 in 2024 to 59 in 2025. Except for April and September, cases were reported every month, with the highest numbers recorded in July and August.

LRTI affects the airways below the throat, primarily the bronchi and lungs, and includes conditions such as bronchitis and pneumonia. It is caused by viruses or bacteria and spreads through infected droplets or close contact. Children with LRTI may experience cough, fever, rapid or difficult breathing, chest pain, and sometimes wheezing. Doctors emphasise that LRTI is more serious than URTI and may require medical intervention, including antibiotics for bacterial infections, oxygen support, or hospitalisation in severe cases.

BMC panel casts doubt on cost hikes, 7-yr delay for flyover extn

MUMBAI - The BMC's standing committee on Wednesday raised eyebrows over three instances of cost hikes and seven-year delay in the extension work of the Mrinaltai Gore flyover in Goregaon.

The contract to construct the extension, spanning the Ram Mandir Road-Relief Road stretch on the S V Road, was initially approved at `209.64 crore, including taxes. However, after three revisions, the cost has escalated by `38.33 crore, bringing the total to `247.97 crore. Suspecting irregularities, the committee raised concerns over the roles of the consultant and contractor. It has decided to conduct a site visit to get an explanation from the engineers and the consultant. The decision to give final approval to the work has been deferred to the next meeting.

While Sena (UBT) corporator Yashodhar Phanse questioned the inordinate delay, BJP's Priti Satam asked how "errors" in the blueprint went unnoticed for four years, hinting at possible collusion between the consultant and contractor. Congress group leader Ashraf Azmi pointed out the lack of penalties against the contractor despite the seven-year delay. He further asked why no red flags were raised when nearly Rs15 crore were allocated for resurfacing and noise barriers.

The construction work is being carried out through the joint venture company MEPL-GYAN JV. The TPF has been appointed as the project consultant, while M Construma Consultancy is serving as the re-inspection consultant.

College starts solar tech training centre

In the future, solar energy will hold the largest share

Within the energy sector. However, to take this technology to every household, we will require a large number of skilled professionals.

This centre will prove immensely useful in providing students with practical technical training rather than merely bookish knowledge because solar energy is, indeed, the need of the hour," said Prafulla Pathak, president, Solar Energy Society of India, while inaugurating the 'Solar Energy Technology Training Centre' at the College of Engineering and Management (Autonomous), run by the Khandesh College Education Society.

Speaking on the occasion, Nandkumar Bendale, president of the Khandesh College Education Society, said that by taking a step towards sustainable energy and skill development, students will have an opportunity to gain technical knowledge in the solar energy sector along with hands-on practical experience. Following the inauguration, Pathak interacted with faculty members and students and provided information on startups in the solar energy sector, government schemes and global career opportunities in the field.

How much sugar is too much sugar

A pressing issue in today's age and time is hypertension. In this era of overnutrition, contrary to previous decades increased sugar intake is also a dilemma. Sugar and hypertension, commonly known as high blood pressure, are two issues that are closely intertwined. It is a condition in which the blood pressure in the arteries is consistently higher than normal, and it is a major risk factor for cardiovascular diseases, including heart attack, stroke, and kidney disease. The relationship between sugar and hypertension is complex and multifaceted, but it is important to understand their correlation to prevent and manage hypertension effectively.

Firstly, it is important to understand the effect of sugar on the body. Sugar is a type of carbohydrate that is broken down into glucose, which is used by the body as fuel. However, excessive sugar consumption can lead to a range of health problems, which include but is not limited to obesity, diabetes, hypertension etc. Substantial amounts of sugar cause the body to release insulin, a hormone that helps regulate blood sugar levels.

Levels of insulin have an upper limit. Over time, the body may become resistant to insulin, leading to high blood sugar levels and an increased risk of developing diabetes. High blood sugar levels can also damage blood vessels and lead to hypertension, also termed a macrovascular complication of diabetes.

Studies have found that consuming too much sugar is associated with an increased risk of hypertension. The exact mechanism by which sugar leads to hypertension is not fully understood, but there are several possible explanations. As stated, excessive sugar consumption can lead to insulin resistance, which can lead to high blood sugar levels and damage blood vessels. Another explanation is that sugar can increase the production of the hormone aldosterone, which can lead to increased salt retention in the body and higher blood pressure. Additionally, consuming copious amounts of sugar can lead to weight gain, which is a major risk factor for hypertension.

Reducing sugar intake is one of the most effective ways to prevent and manage hypertension. The American Heart Association recommends that six teaspoons of added sugar per day should be the upper limit. However, the average American consumes much more than this, with estimates suggesting that the average intake of added sugar is around seventeen teaspoons per day. Sugar is present in most of the diets we eat, and not necessarily only in sweet edibles or raw sugar.

To reduce sugar intake, it is important to read food labels carefully and choose foods that are low in added sugars. Sugar can be found in many unexpected foods, including bread, cereal, and even pasta sauce, so it is important to be aware of hidden sources of sugar. Choosing vegetables, whole grains, and lean proteins can help reduce sugar intake while providing essential nutrients for overall health. In addition to reducing sugar intake, several other lifestyle changes can help manage hypertension. These include maintaining a healthy weight, engaging in regular physical activity, reducing sodium intake, and quitting smoking. In some cases, medication may also be necessary to control blood pressure.

While the exact mechanisms by which sugar leads to hypertension are not fully understood, excessive sugar consumption is associated with an increased risk of developing hypertension. Reducing sugar intake, along with other lifestyle changes, is a crucial step in preventing and managing hypertension. By making these changes, individuals can reduce their risk of developing cardiovascular disease and improve their overall health and well-being.

PUPILS TIMES

Friday, 20 March to 26 March 2026

Echoes of the Past: Do Ancient Texts Hint at Advanced Technology?

A compelling debate is once again gaining momentum, did ancient India possess knowledge far ahead of its time? The formidable weapons described in the Mahabharata, such as the Brahmastra, Narayanastra, and Pashupatastra, are increasingly being compared to modern nuclear and energy-based weaponry. This intriguing parallel has reignited discussions across the domains of history, science, and spirituality.

The Brahmastra, often depicted as the ultimate weapon in the Mahabharata, is described as radiating a blinding brilliance "equal to a thousand suns," followed by catastrophic destruction. To the modern mind, such imagery bears a striking resemblance to a nuclear explosion, with its intense flash, extreme heat, and towering mushroom cloud. This raises a thought-provoking question: were ancient sages envisioning something extraordinarily advanced, or is this merely a powerful metaphor? While some interpret these descriptions as evidence of sophisticated knowledge, many scholars contend that they are symbolic expressions designed to convey divine potency rather than scientific reality.

Other celestial weapons further deepen the intrigue. The Narayanastra is believed to selectively target living beings, drawing comparisons to neutron bombs. The Agneyastra unleashes devastating firepower, reminiscent of modern thermobaric weapons, while the Varunastra is said to neutralize such destruction, akin to advanced fire-suppression systems. The Pashupatastra, described as capable of absolute annihilation, is sometimes associated with high-energy or even antimatter-based concepts. However, these parallels remain speculative and lack empirical validation.

Shrimati Sonal Sarthak Upadhyay
Assistant Manager,
International Bank

Adding another dimension to the discourse are archaeological findings from ancient sites such as Mohenjo-daro and Harappa. Reports of vitrified materials and evidence of extreme heat have led some to hypothesize the occurrence of large-scale explosive events in antiquity. Nonetheless, the majority of experts attribute these phenomena to natural causes, including intense fires or geological processes, rather than any form of nuclear activity.

Meanwhile, modern science continues to expand the frontiers of knowledge. Leading institutions like CERN are engaged in pioneering research on antimatter and high-energy physics, while nations worldwide invest heavily in advanced weapon technologies. Interestingly, renowned physicist J. Robert Oppenheimer, often regarded as the father of the atomic bomb, was deeply influenced by Indian scriptures, lending a fascinating historical context to this ongoing conversation.

Despite these captivating correlations, the scientific community remains measured in its conclusions. There is no substantive evidence to support the assertion that ancient India possessed nuclear technology. Most historians emphasize that texts like the Mahabharata were composed to impart moral wisdom, philosophical depth, and insights into human nature, rather than to document technological advancements.

The notion that ancient weaponry mirrors modern technological capabilities is undeniably enthralling. Whether these accounts represent lost knowledge, imaginative storytelling, or symbolic narrative, they continue to inspire intellectual curiosity. Ultimately, the truth may lie at the intersection of myth and metaphor—reminding us that while science seeks empirical proof, tradition often communicates through the timeless language of wonder.

Why Toddlers Refuse Food: A Pediatrician Explains

One of the most common concerns parents share is, "My toddler refuses to eat." While this can be stressful, it is usually a normal part of development.

Between one and three years of age, children's growth slows down compared to infancy. As a result, their appetite naturally decreases and becomes irregular. Some days they may eat well, while on others they may refuse food entirely.

Dr. Jagruta Bansode, Pediatrician

A major reason behind this behavior is the toddler's growing need for independence. At this stage, children begin to assert control over their choices, including food. Saying "no" is often their way of expressing autonomy rather than a true dislike for food. Toddlers are also exploring their environment and developing communication skills. Since they have limited control over most things, eating becomes an area where they can make decisions. Parents can support this by offering healthy choices and allowing some flexibility.

Distractions like television, mobile phones, or toys can reduce a child's focus on eating. Mealtime should be calm and free from screens to encourage better eating habits.

Parental behavior plays an important role. Forcing or pressuring a child to eat can create stress and worsen food refusal. Instead, parents should offer small, balanced meals at regular times and encourage independent eating. Patience is key. Children often need repeated exposure to accept new foods.

However, medical advice should be sought if refusal is accompanied by poor weight gain, vomiting, or swallowing difficulties. Overall, toddlers gradually develop healthy eating patterns when supported with a calm and positive approach.

Day Care Surgery: Fast Treatment, Same-Day Discharge

Modern medical science is making surgeries faster and more convenient. One such advancement is Day Care Surgery, where patients are treated and discharged from the hospital on the same day, without the need for prolonged admission.

Doctors say that this method is suitable for minor to moderate procedures such as cataract surgery, hernia operations, appendix removal, and small tumor excisions. With the help of advanced technology and minimally invasive techniques, these surgeries are now safer and quicker than before.

The process is simple and well-organized. Patients are admitted in the morning, undergo necessary tests, and are then taken for surgery under local or short-duration anesthesia. After a few hours of observation, they are discharged the same day, provided their condition is stable.

Medical experts highlight several advantages of day care surgery. It reduces hospital stay, lowers the risk of infections, and cuts down treatment costs. Most importantly, patients recover faster in the comfort of their homes. However, doctors also advise caution. This type of surgery may not be suitable for patients with serious health conditions or those requiring complex procedures. Proper post-surgery care at home and following medical advice are essential for a smooth recovery. Day care surgery is emerging as a patient-friendly approach in modern healthcare, offering effective treatment with minimal disruption to daily life.

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES

In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

PUPILS TIMES

Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **JAGRUTI PRINTERS,** BYCULLA SERVICE INDUSTRIAL ESTATE 1ST FLOOR, B-101, D.K. CROSS MARG, NEAR RANIBUAG, MUMBAI, MAHARASHTRA - 400027. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**